बर्षः- 06
अंकः- 44
मुरादाबाद
(Thursday)
04 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दिल्ली रेस्टोरेंट अग्निकांड

मालवीय नगर हादसे में 21 लोगों की मौत, मरने वाले ज्यादातर विदेशी;पुलिस ने दर्ज किया केस

सीएम योगी ने जताया शोक, बोले- घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के रेस्टोरेंट में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर संवेदनाएं व्यक्त की हैं। अग्निकांड में अब तक 21 लोगों की मौत हुई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के रेस्टोरेंट में हुए भीषण अग्निकांड पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना हृदय विदारक है।उन्होंने एक्स पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में एक दुर्भाग्यपूर्ण भीषण अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।अब तक 21 लोगों की मौत, 37 घायल- दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के हौज रानी स्थित एक रेस्टोरेंट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह है कि इस दर्दनाक हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत की खबर है और 37 लोग घायल हैं।जानकारी के मुताबिक, दिल्ली फायर सर्विस टीम को मालवीय नगर में लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके तुरंत बाद दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के बेसमेंट से ये आग लगनी शुरू हुई। रेस्टोरेंट के बेसमेंट से गंभीर हालत में लोगों को रेस्क्यू किया गया। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है और 37 लोग घायल हैं। घायलों को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 घायल हैं। जानकारी के मुताबिक, 18 लोगों के मौत की पुष्टि मैक्स अस्पताल ने की है। इसमें नौ पुरुष और नौ महिला शामिल हैं। विदेशी नागरिक की भी पुष्टि की है। वहीं, इमारत से कूदने से घायल होने वालों में कई लोगों के हाथ और पैर भी टूट गए हैं। दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर स्थित रेस्तरां में आग लगने के मामले में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया हैजानकारी के अनुसार, मालवीय नगर रेस्टोरेंट में लगी आग की घटना से जुड़े दो मरीजों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती किया गया है। इन मरीजों को क्रमश: मैक्स अस्पताल और पं. मदन मोहन मालवीय अस्पताल से रेफर किया गया है, और फिलहाल संबंधित डॉक्टर इनका इलाज कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, दिल्ली में आगजनी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को समीक्षा करनी चाहिए, फायर ब्रिगेड को बहुत चुस्त-दुरुस्त करना चाहिए और ये देखना चाहिए कि कारण क्या है कि इतनी आगजनी हो रही है और लोग मर रहे हैं। ये बहुत भयावह स्थिति है। इसमें दिल्ली सरकार को कुछ न कुछ कदम जरूर उठाने चाहिए। हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठना चाहिए। सांसद बांसुरी स्वराज ने हादसे पर जताया दुख-नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि स्थित हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में संबल दें। घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूँ।राहत एवं बचाव कार्य में जुटी पुलिस, अग्निशमन एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की टीमों का प्रयास जारी है।आतिशी ने भाजपा सरकार को घेरा- आम नेता आतिशी ने कहा, %मालवीय नगर में आग लगने से 20 लोगों की जान जाने की खबर बहुत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और घायल लोग जल्द स्वस्थ हों। मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। लेकिन सवाल यह है कि दिल्ली में बार-बार हो रहे अग्निकांडों और मासूम लोगों की मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा? भाजपा सरकार के तहत आखिर फायर सेफ्टी व्यवस्था इतनी बदहाल क्यों हो गई है? हर हादसे के बाद सिर्फ बयान आते हैं, लेकिन जवाबदेही कहीं नजर नहीं आती। लोगों की जान की कीमत पर यह लापरवाही अब स्वीकार्य नहीं है।%दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा, इनके पास रेस्टोरेंट-होटल चलाने की अनुमति थी या नहीं, सभी कागजों को इकट्ठा किया जा रहा है और जिनकी लापरवाही के कारण यह हुआ है, पुलिस जांच करके उसे तुरंत गिरफ्तार करेगी। सभी एजेंसी, नगर निगम, फायर, बिजली-पानी का विभाग आसपास के क्षेत्र में ऐसी जितनी भी इमारतें चल रही हैं, शाम तक उनकी जांच करके सभी इमारतों को सील किया जाएगा। एक भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा।मालवीय नगर विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा, सुबह 8.51 की यह घटना है। सूचना मिलते ही हमने पूरे सिस्टम को सक्रिय किया था। सभी लोग यहां समय पर आ गए थे। हमारे स्थानीय नागरिकों ने भी रेस्क्यू ऑपरेशन में भूमिका निभाई। कुल 47 लोगों का आंकड़ा सामने आया है जो इस होटल में रह रहे थे। कुछ लोगों को हमने छत से भी नीचे उतारा और 21 लोगों की मौत हुई है। रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त हो गया है। मालवीय नगर के एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया, हमारा खोज और बचाव अभियान 12=12 पर खत्म हो चुका है। कुल 47 लोगों को रेस्क्यू किया गया है और 21 लोगों की मौत हुई है। 2-3 लोगों की हालत गंभीर है। इमारत के नीचे कोई होटल स्थित है हालांकि अग्निशमन विभाग इस बात की पुष्टि नहीं कर पाया है कि आग लगने के क्या कारण है। आग ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई थी।रेस्तरां ग्राउंड फ्लोर पर चलाया जा रहा था, जबकि बाकी इमारत का इस्तेमाल होटल के तौर पर किया जा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, होटल में आने-जाने का केवल एक ही रास्ता था। उन्होंने बताया कि फायर एनओसी भी जांच के दायरे में है।भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, ये बहुत दर्दनाक हादसा है। हमें सूचना मिली कि होटल के रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। अभी तक जो सूचना आ रही है उसके अनुसार 21 लोगों की मौत की खबर है। सभी एजेंसियां घायलों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। मन बहुत दुखी हुआ है ये सुनकर, ये बहुत दर्दनाक हादसा है। प्रयास है कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। जांच की बात है कि क्या गड़बड़ी हुई जिस कारण ऐसी भीषण आगजनी की घटना घटी। लगातार प्रयास किया जा रहा है कि ऐसी छोटी-छोटी त्रुटियों को खत्म किया जाए। आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के बयान पर उन्होंने कहा, दोषी जो भी होगा वो बचेगा नहीं ये मैं विश्वास दिलाता हूं लेकिन इस समय राजनीतिक बातें करना अच्छा नहीं होता। दिल्ली सरकार सारी जानकारी लोगों के सामने रखेगी। आम आदमी पार्टी दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में लगी आग की घटना पर कहा, %फरवरी के अंदर पालन में आग लगी, नौ लोग जलकर मर गए। सरकार ने कहा जांच करवाएंगे लेकिन जांच की रिपोर्ट तीन महीने बाद भी नहीं आई। विवेक विहार में आग लगी, फायर ब्रिगेड में पानी नहीं था। अब 20 से 21 लोग यहां जलकर मरे हैं। सरकार को कहना चाहिए कि हमारी फायर ब्रिगेड लेट पहुंची, हमें इस बात का दुख है। लेकिन सरकार ने अपनी टूलकिट सक्रिय कर दी। जो लोग यहां पर मजबूरी वश बाहर से आए हैं, मजबूरी वश छोटे मकानों और होटलों में रहकर अपने परिवार के लोगों का इलाज करवा रहे हैं आप उल्टा उन्हीं पर दोष मढ़ रहे हैं? सरकार को अपनी जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। सरकार जिम्मेदार अफसरों की जिम्मेदारी तय करे और ठोस कार्रवाई करे तो इस तरह से हादसे रुक सकते हैं।%देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार (3 जून) को एक बड़ा हादसा हुआ। यहां के मालवीय नगर इलाके में एक रेस्तरां में आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत की खबर है। फिलहाल आग के कारणों का पता नहीं है, लेकिन दमकल विभाग ने आग पर काबू पाकर राहत और बचाव कार्य जारी रखे हैं। सामने आया है कि जिस इमारत में यह अग्निकांड की घटना हुआ, वहां निचले तल पर रेस्तरां था, जबकि ऊपरी मंजिलों पर होटल के कमरे थे। एक पुलिस सूत्र के मुताबिक, होटल में सिर्फ एक ही दरवाजा आने और जाने के लिए था। फिलहाल होटल को मिली दमकल की एनओसी की जांच जारी है। रिपोर्ट्स की मानें तो 20 से 25 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत नाजुक बनी हुई है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली में आगजनी की किसी घटना ने एक दर्जन से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। इससे पहले भी देश की राजधानी ने कई अग्निकांड देखे हैं। इनमें आग लगने की घटना से जुड़ा सबसे बड़ा और चर्चित हादसा करीब 29 साल पुराना उपहार सिनेमा अग्निकांड रहा था, जिसमें 59 लोगों की जान चली गई थी। हालांकि, इसके बाद भी कई आग लगने की घटनाएं हुई हैं, जिनमें दर्जनों लोग मारे गए हैं।

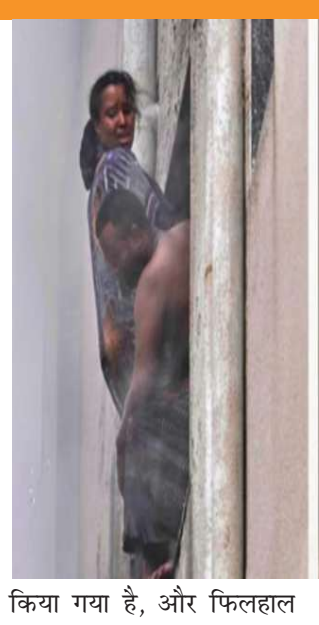

संक्षिप्त समाचार

मुसलमानों को गाय को माता मानना अनिवार्य नहीं- कांग्रेस नेता हुसैन दलवई बोले- राष्ट्रीय पशु कहना सही

गाय को राष्ट्रीय पशु बनाने की मांग और उस पर चल रही बहस के बीच कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने कहा कि गाय को कोई माता मान सकता है, लेकिन इसे स्वीकार करना सबके लिए जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुसलमान इसे माता नहीं मानते और गाय को केवल एक राष्ट्रीय पशु माना जाना चाहिए।गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने को लेकर बहस जारी है। इस बीच, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने मंगलवार को कहा कि कुछ लोग गाय को माता मान सकते हैं। लेकिन मुसलमानों पर यह मान्यता स्वीकार करने की कोई बाध्यता नहीं है।दलवई ने कहा, पहले गाय को राष्ट्रीय पशु कहा जाता था और अब उसे माता कहा जा रहा है। अगर मुसलमान थोड़ा पीछे हटते हैं, तब उन्हें और पीछे धकेलने की कोशिश होती है। आप गाय को माता कह सकते हैं। लेकिन हम उसे देश का एक महत्वपूर्ण पशु और राष्ट्रीय पशु मानते हैं। इसमें गलत क्या है? जिन्होंने इसे राष्ट्रीय पशु कहा, उन्होंने सही कहा है।उन्होंने आगे कहा, आप गाय को माता मान सकते हैं। लेकिन मुसलमान इसे स्वीकार नहीं करेंगे। क्या हर किसी के लिए यह मानना जरूरी है? हम भारत को भारत माता कहते हैं। लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस्राइल गए थे, तो उन्होंने कथित तौर पर इस्राइल को हमारी पितृभूमि कहा था। ऐसे बयान समझ हाल ही में उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, गाय हमारी माता है।

मालवीय नगर हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताया। उन्होंने कहा, दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

दिल्ली अग्निकांड पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। PMNRF की ओर से, प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मालवीय नगर अग्निकांड में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। इस हृदयविदारक त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के मालवीय नगर में लगी भीषण आग में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं। आज मालवीय नगर में इतनी बड़ी घटना हो गई। 20 लोगों की मौत की दुखद खबर आ रही। दिल्ली में लगातार हो रहे अग्निकांड और मासूम लोगों की मौतें बेहद चिंताजनक हैं।

संपादकीय Editorial

In the rankings for better education

Regardless of the achievements of education on the national level, Himachal has established itself at sixth place in the Performance Grading Index. This can be considered a qualitative improvement, where children's educational levels have risen in terms of learning. It goes without saying that numerous improvements have been made in the school infrastructure. If society and the state have improved along with education, it proves that a revolutionary shift from labs to learning and internet to knowledge has taken place in schools. For a mountainous state like Himachal, achieving high levels in the national rankings is reflected not only by the government's contribution but also by the community's dedication and personal contribution. Therefore, while school performance under government responsibility is certainly excellent, it is made competitive and vibrant by public trust. There has also been political competition among public representatives regarding education, health, roads, and electricity and water supply, and MLA priorities seem to be consistently aligned in this direction. Private educational institutions in Himachal Pradesh are also demonstrating their strengths over government schools. The competition, which began with exam results, has now expanded to various education boards. In the coming years, Himachal's education will not only be judged within the framework of the School Education Board, but will also be recognized and recognized by the CBSE school system.

The reason Chandigarh currently appears to be ahead in this evaluation is due to the CBSE-compliant standards. This trend remains to be seen in the current Sukhu government's decision, which will see over 150 government schools in the state adopt the CBSE curriculum. Every government has contributed to the growth of education in Himachal.

It's a different matter that the student population is now being skewed. This will lead to a reduction in the student-teacher ratio, the number of subjects, and the potential for government institutions to be at par with private schools. With the recent release of the Himachal Pradesh School Education Board exam results, the government sector has emerged as the leader in this effort.

While many government schools have been declared excellent in the results list, many quality standards in education remain unmet. Improving the educational environment is not just about exam results, but about students' self-awareness about mastering every aspect of life. Himachal is now preparing, or should be, for diverse activities beyond academics. Campuses will need to become more practical to expand the scope of music, sports, arts, and scientific thinking. However, in a national perspective, Himachal's school rankings prove that successive governments have prioritized spreading the light of education not only in the plains but also in tribal and difficult areas.

Uttarakhand Forest Fire: Earth's lungs engulfed in flames, smoke everywhere

According to the Indian State of Forest Report 2023, more than 36 percent of the country's forest cover is estimated to be prone to frequent fires. Summer has barely begun to unleash its fiercest form, and cries of distress are already emanating from every corner of the country. The mercury in the plains is touching 48 degrees Celsius, testing human tolerance. While the flames rising from our mountains and forests testify that the situation is now out of control. From Kashmir to Kanyakumari, India's verdant lungs—our forests—are currently engulfed in a raging fire. From Uttarakhand to the forests of the far south, all that is visible is smoke. This isn't just the burning of trees; it's the destruction of our civilization, our biodiversity, and our future. These flames reaching the snowy peaks of the Himalayas are an alarm that if we do not wake up now, this imbalance in nature will become impossible to manage. According to the Indian State of Forest Report 2023, more than 36 percent of the country's forest cover was estimated to be prone to frequent fires. 2.85 percent of the country's forest cover was found to be extremely prone to fire, while 7.85 percent was found to be extremely prone. Approximately 275 million rural people depend on forests for livelihood security. These people directly depend on forests for their livelihoods based on non-timber forest produce and most other ecosystem services. Forests are not just a collection of woods; they are an extremely rich, complex, and sensitive ecosystem. When forest fires break out, the most painful impact falls on the silent creatures there. Countless wild animals, reptiles, rare insects, and birds are consumed by the flames of this raging fire. Large numbers of wild animals flee towards human settlements to save their lives, giving human-wildlife conflict a new and violent form. Meanwhile, creatures that cannot flee, such as tiny newborn cubs, nesting bird eggs, and reptiles, perish forever in the flames. As a result, our rich forests are becoming completely devoid of life. Additionally, many delicate and extremely rare medicinal plants have been burned in these fires and are on the verge of extinction forever. Scientifically, forests are considered the Earth's "carbon sink." They absorb vast amounts of carbon dioxide from the atmosphere and store it within themselves, a carbon stock known as carbon storage. But when these same trees, plants, and dry leaves burn to ashes, this carbon storage, accumulated over centuries, is suddenly released and re-dispersed into our atmosphere. This situation creates a dangerous global vicious cycle, where carbon emissions from forest fires further increase global temperatures, and this increased heat causes even more severe droughts and fires in the future. Black carbon, or soot, from these devastating fires is being blown by strong winds and deposited on the Himalayan glaciers. When this black layer settles on the sparkling white snow, the snow's natural ability to reflect sunlight is significantly reduced. As a result, our glaciers are melting at a much faster rate than normal, which will ultimately lead to devastating floods in the hills and plains, and the subsequent permanent drying up of perennial rivers. In hilly states like Uttarakhand, these fires have become monstrous and have reached very close to villages and human settlements. The thick smoke has contaminated local residents' breathing, leading to eye irritation, skin diseases, and serious lung diseases among children and the elderly. Even more heartbreaking is that this disaster also claims lives every year. According to Uttarakhand Forest Minister Subodh Uniyal, over 14,000 forest fires have occurred in the state in the past 10 years, claiming 35 lives. Recently, a fire watcher, along with two women, tragically died while trying to extinguish a fire in Uttarakhand, and several others were seriously injured by burns. Although extreme temperatures, strong winds, and the friction of dry pine leaves during the summer season are considered natural causes of forest fires, statistics show that over 90 percent of forest fires are the result of pure human negligence. It is common for tourists to carelessly discard burning beedi or cigarette butts or leave campfires unattended. Furthermore, forest fires are also deliberately set by antisocial elements and poachers to trap animals, or by land mafias seeking to seize forest land. It is also a common belief that some corrupt officials resort to forest fires to hide fraudulent tree plantations, which is why the number of plantation burns is revealed every year. There is a traditional belief in rural areas that burning dry grass encourages new grass to grow, but they forget that even these small fires devastate the wildlife world. To effectively address this crisis, the first step is to empower and make local people and forest panchayats directly accountable for forest management. Unless the villagers living near forests are not directly involved in the management of forests, Unless people develop a sense of their own invaluable assets, truly protecting forests is impossible. This requires extensive integration of modern technology, including satellite imagery, drone surveillance, and AI-based early warning systems, to accurately identify forest fires within the first few minutes of their occurrence and prevent their spread. Our fire watchers should be provided with modern protective gear, fire-proof suits, and advanced equipment, and water-spraying helicopters should be deployed in extremely inaccessible mountainous areas. Industries that collect dried pine leaves (pirul) and make them into biomass pellets or handicrafts should be promoted in Uttarakhand, transforming this fuel into a useful economic resource.

From Udant to Martand: 'The aim of journalism is not only to inform, but also to enlighten society'; these important memories on the bicentenary.

Both the words Udant and Martand are derived from Sanskrit. Martand means sun. Thus, Udant Martand means the sun of news or one who spreads the light of news. In Sanskrit, the original meaning of the word 'Udant' is complete news, conversation, trend, account, or complete information. In the Sanskrit Amarakosha and Medinikosha, as well as in the Sanskrit-English dictionary edited by Monier-Williams in 1851, 'Udant' is used to mean news, intelligence, complete description, and good news. Expressions like "Kantadhanta" in the great poet Kalidasa's Meghadoot and "Priyodhantam" in the Raghuvansh (the "Raghuvansh") prove that "Udanta" is not merely information, but a medium of emotional and social communication. According to Sanskrit grammar, the etymology of the word "Udanta" is "Udgatah Antah Yasmat," meaning that which reveals the full conclusion or complete description of an event. This is why, in ancient Indian tradition, "Udanta" was considered not merely news, but an authentic account. This should also be the fundamental principle of modern journalism. The word "news" does not exist in the Sanskrit language in the sense it is often used. This is why, for the past five decades, Sanskrit news broadcasts on All India Radio begin with "Samprati Vartaah Shruyantam," because Sanskrit has words like "Varta," "Pravritti," "Vritanta," and "Udanta" for news. When the first Hindi newspaper was named "Udanta Martand," it contained deep cultural symbolism. Its cultural connection was linked to the Sanskrit language. Both the words "Udant" and "Martand" are derived from Sanskrit. "Martand" means "Sun of News," or "One who spreads the light of news." This name exemplifies the remarkable synthesis of the Indian knowledge tradition and modern mass communication.On the bicentenary of Hindi journalism, the word "Udant" reminds us that the goal of journalism is not only to provide information but also to enlighten society, just as "Martand" illuminates the entire world.

View problems as a 'puzzle'. Why do problems linger?

Anxiety increases when we consider them to be the ultimate outcome. Thinking calmly, the problem appears to be a puzzle that can be solved. Often, the solution begins with a shift in thinking. My father imagines the worst in every situation, whether real or imaginary. Therapists call this thinking "catastrophizing." When he comes home, he scrutinizes everything minutely and issues a serious warning. One of his favorite sayings is, "This will be the end of you." My worries also increase under stress, but I use the renowned psychologist Dr. Martin Seligman's method to manage them. Dr. Martin Seligman identified three key aspects for understanding life's challenges: permanence, comprehensiveness, and controllability. In fact, our brains tend to focus more on negative events than positive ones. Therefore, problems are remembered for a long time and seem never-ending. Eric Zimmer, author of "How a Little Becomes a Lot," says that sometimes a single mistake or bad experience makes us feel like our entire life is ruined. This happens because, during difficult times, we focus so much on the problem that it appears complicated, whereas it's important to step back and see the bigger picture. In this context, Zimmer gave an example of his own business, which later closed. As a result, he felt like a failure. But when he asked himself if this had made his life a failure, he realized that it was the business that failed, not himself. Dr. Seligman also says that after accepting a difficult situation, one should ask oneself, "What can I do?" Therefore, recognize the things that are within your control. In most situations, there is always something you can find that can help. Meanwhile, Zimmer suggests viewing a challenge as a "puzzle." This helps the mind realize that there's definitely a solution; it just needs to be found. It's impossible to completely avoid stress and worry, but by adopting the right perspective, we can prevent them from overwhelming us. If we ask ourselves the right questions, we can understand which worries are truly serious and which are merely mental fears. Often, the solution begins with a shift in thinking.

दो साल पहले नरेश की हो चुकी मौत, फिर भी शांति भंग में किया पाबंद; पोल खुलने के बाद लापरवाह दरोगा निलंबित

मुरादाबाद के पाकबड़ा थाने के दरोगा विनीत कुमार ने दो साल पहले मृत हो चुके नरेश को भी शांतिभंग में पाबंद करने की रिपोर्ट एसडीएम कोर्ट भेज दी। जांच में मामला सही पाए जाने पर एसएसपी ने दरोगा को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं।दो साल पहले मर चुके व्यक्ति नरेश को शांतिभंग में पाबंद करने वाले दरोगा विनीत कुमार को एसएसपी ने निलंबित कर दिया है। दरोगा के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। पाकबड़ा की नई बस्ती कैलसा रोड निवासी दिनेश और सदन के परिवार के बीच विवाद चल रहा थापाकबड़ा थाने के दरोगा विनीत कुमार ने एसडीएम कोर्ट में दोनों पक्षों के चार-चार लोगों को शांतिभंग में पाबंद कराने के लिए एसडीएम कोर्ट में रिपोर्ट भेजी थी। दरोगा ने लिखा था कि 28 मार्च 2026 को मौके पर जाकर जांच की और सभी के बयान दर्ज किए।जिससे पता चला कि दोनों पक्षों में आए दिन विवाद रहता है। जिससे दोनों पक्षों से शांति को खतरा बना हुआ है। दरोगा ने दिनेश, उसकी पत्नी पूनम, भाई नरेश और नरेश की पत्नी रज्जो को शांति भंग में पाबंद किया था जबकि दूसरे पक्ष के सदन, उसकी पत्नी मंजू, बेटी जाह्नवी, सोनू की पत्नी साक्षी को पाबंद किया था।सोमवार को इस मामले में कोर्ट में तारीख थी। दिनेश और उसकी पत्नी, भाई नरेश की पत्नी पेश हुए। तब पता चला कि दरोगा ने

नरेश के खिलाफ भी शांति भंग की रिपोर्ट बनाकर भेजी थी जबकि नरेश की मृत्यु दो साल पहले बीमारी के चलते हो चुकी है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने इस मामले की जांच एएसपी अभिनव द्विवेदी से कराई। उन्होंने इस मामले की जांच की। जांच में सामने आया है कि दरोगा ने जिस व्यक्ति को शांति भंग में पाबंद किया है। उस व्यक्ति की दो साल पहले ही मृत्यु हो गई थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी ने दरोगा विनीत कुमार को निलंबित कर दिया है। दरोगा के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

ट्रेनों में बेकाबू भीड़: कन्फर्म सीट तक पहुंचने में छूटा पसीना, स्पेशल ट्रेनों से भी यात्रियों को राहत नहीं

गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ के चलते मुरादाबाद से गुजरने वाली कई ट्रेनों के आरक्षित कोच भी जनरल डिब्बों जैसे नजर आए। कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को सीट तक पहुंचने में परेशानी हुई। रेलवे ने शिकायतों पर कार्रवाई करने का दावा किया है।उत्तर रेलवे ने इस बार गर्मियों की छुट्टियों के लिए करीब 80 स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। 10 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं। इसके बावजूद भीड़ के आगे यह सभी व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हो रही हैं। हालात ऐसे हैं कि कन्फर्म टिकट लेकर सफर करने वाले यात्रियों को भी अपनी सीट तक पहुंचने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।मंगलवार को मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों में आरक्षित कोचों में अनारक्षित यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। इससे यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहीद एक्सप्रेस, अर्चना एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, सप्तक्रांति एक्सप्रेस और लिंक एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों के स्लीपर कोचों का हाल जनरल डिब्बों जैसा नजर आया।कोचों के गेट, गलियारे और शौचालयों के बाहर तक यात्री बैठे मिले। कई यात्रियों को अपने आरक्षित बर्थ तक पहुंचने में काफी समय लग गया। कुछ जगहों पर सीट को लेकर कहासुनी की स्थिति भी बनी। लिंक एक्सप्रेस में एक बुजुर्ग महिला को अपनी आरक्षित सीट पर बैठने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।कोच में मौजूद अनारक्षित यात्रियों के कारण वह अपनी सीट तक नहीं पहुंच पा रही थीं। उनके परिजनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद आरपीएफ कर्मी संबंधित कोच में पहुंचे और आरक्षित कोच में सफर कर रहे अनारक्षित यात्रियों को बाहर निकालकर जनरल डिब्बों की ओर भेजा।इसके बाद महिला अपनी सीट पर बैठ सकीं। यात्रियों का कहना है कि अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग सूची लंबी चल रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में यात्री किसी तरह ट्रेन में चढ़कर आरक्षित कोचों में भी सफर कर रहे हैं। हरिद्वार, देहरादून, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, पंजाब और बिहार रूट की ट्रेनों में भीड़ सबसे अधिक देखने को मिल रही है। टीटीई कर्मचारियों को टिकट जांच में कठिनाई का सामना करना पड़ा। भीड़ के कारण कई कोचों में वे आसानी से एक छोर से दूसरे छोर तक नहीं पहुंच सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। साथ ही कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए हैं। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने बताया कि आरक्षित कोचों में अनधिकृत यात्रा रोकने के लिए टिकट जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है और शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिभा हत्याकांड: आरोपियों के घर में लगा दी आग, गिरफ्तारी के लिए जाम, गांव में तनाव के बीच पुलिस तैनात

हसनपुर के शाहपुर कला गांव में विवाहिता पिंकी की कथित दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जाम लगाया। इस बीच आरोपियों के घर में आधी रात को आग लग गई। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला में विवाहिता प्रतिभा उर्फ पिंकी (24) की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पिता की तहरीर पर पति सोनू समेत पांच ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, बुधवार की रात उस समय गांव में हड़कंप मच गया जब पोस्टमार्टम को शव ले जाने के बाद आधी रात को अचानक बंद पड़े आरोपियों के घर में रहस्यमयी परिस्थितियों में आग लग गई।मौके पर मुस्तैद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आरोपियों की गिरफ्तार की मांग को आक्रोशित लोगों ने रहरा हसनपुर मार्ग पर दोबारा जाम लगा दिया। एहतियात के तौर पर गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव तरारा निवासी शीशपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने तीन साल पहले अपनी बेटी पिंकी की शादी शाहपुर कला निवासी सोनू के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही सोनू और उसके परिवार वाले अतिरिक्त दहेज के लिए पिंकी को प्रताड़ित कर रहे थे।मंगलवार को आरोपियों ने पिंकी की हत्या कर दी और शव को चारपाई पर घर के दरवाजे के बाहर छोड़कर भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति सोनू समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आधी रात को भड़की आग, मचा हड़कंप-मंगलवार देर रात करीब 12:00 बजे जब मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया, उसके कुछ देर बाद ही शाहपुर कला स्थित आरोपी के बंद घर में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। घर के बाहर पहले से ही पुलिस बल तैनात था। आग की लपटें देख पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पानी और अन्य संसाधनों की मदद से बमुश्किल आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। गांव में पुलिस बल तैनात, आरोपियों की तलाश तेज- भारी हंगामे, तोड़फोड़ और जड़क जाम के बाद गांव में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। अनहोनी की आशंका को देखते हुए आरोपियों के घर और गांव के मुख्य चौराहों पर पुलिस बल मुस्तैद किया गया है। फोरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई की योजना बना रही है। सीओ अंजलि कटारिया अधिकारी ने बताया कि तहरीर पर पति सोनू समेत पांच आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। देर रात आरोपी के घर में लगी आग को पुलिस ने तुरंत बुझा दिया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घर के दरवाजे पर मिला विवाहिता का शव, आक्रोशित लोगों ने घर में की तोड़फोड़, गुस्सा देख भाग गए ससुराली- सनपुर के गांव शाहपुर कला में विवाहिता प्रतिभा का शव घर के बाहर चारपाई पर मिलने से हड़कंप मच गया। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हसनपुर-रहरा मार्ग पर जाम लगाकर हंगामा किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला में मंगलवार की रात विवाहिता प्रतिभा उर्फ पिंकी (24) का शव घर के दरवाजे के बाहर चारपाई पर पड़ा मिला। मौके पर पहुंचे मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाकर हसनपुर रहरा मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ।आक्रोशित लोगों ने ससुराल वालों के घर में तोड़फोड़ भी की। तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।बताते हैं कि सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव तरारा निवासी शीशपाल सिंह ने करीब तीन साल पहले अपनी बेटी प्रतिभा उर्फ पिंकी की शादी हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला निवासी सोनू के साथ की थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद तक तो सब कुछ ठीक रहा।फिर धीरे-धीरे अतिरिक्त दहेज के लिए प्रतिभा उर्फ पिंकी को प्रताड़ित किया जाने लगा। डेढ़ वर्ष पूर्व पिंकी ने एक बेटी को भी जन्म दिया। इसके बाद तो उत्पीड़न और बढ़ गया। मंगलवार की देर शाम को मायके वालों को फोन पर सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई है। शव फंदे पर लटका हुआ है।सूचना मिलते ही मायके वाले उसकी ससुराल में पहुंचे तो विवाहिता का शव घर के दरवाजे के बाहर चारपाई पर पड़ा मिला था जबकि दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। घर के सभी लोग गायब थे। विवाहिता के गले पर रस्सी एवं चोट के निशान हैं। कपड़े भी फटे मिले। मायके वालों ने हंगामा करते हुए हसनपुर रहरा मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही हसनपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद रहरा और सैदनगली थाने से भी पुलिस को बुलाया गया। 30 मिनट तक जाम रहा। बाद में कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया गया। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। मायके वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। देररात तक शव घटनास्थल पर ही रखा रहा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी का कहना है कि महिला की मौत के मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय साइकिल दिवस पर विशेष: साइकिल चलाना मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का एक सुलभ साधन

साइकिल चलाना अपने आप में ही एक संपूर्ण व्यायाम है जो कि व्यक्ति को सभी प्रकार की बीमारियों से दूर रखने में सहायक होता है। रामपुर में कई बुद्धिजीवी लोग संपन्न होने के बावजूद साइकिल का इस्तेमाल अच्छी सेहत के लिए कर कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार साइकिल चलाने से शरीर का इम्यून सिस्टम भी बेहतर होता है। साइकिल एक तरह का संपूर्ण व्यायाम है। साइकिल चलाने वाले को अन्य व्यायाम की जरूरत कम ही पड़ती है। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया है कि साइकिलिंग मस्तिष्क स्वास्थ्य, मनोदशा और सामाजिक संबंधों को बेहतर बनाने समेत समग्र कल्याण में सुधार के लिए सुलभ उपकरण हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों और कम शारीरिक गतिविधि के स्तर को बढ़ाने के लिए कम लागत वाले प्रभावी तरीकों की पहचान करना महत्वपूर्ण है। परिणाम बताते हैं कि साइकिलिंग का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसमें बेहतर मूड, अवसाद के लक्षणों में कमी, सामाजिक संबंधों में वृद्धि आदि शामिल है। शिक्षक चिरंजीव गुड्डू 16 साल से चला रहे साइकिल- कंपोजिट स्कूल घाटमपुर के शिक्षक चिरंजीव कुमार बताते हैं कि वह पिछले 16 वर्षों से लगातार साइकिल से विद्यालय जा रहे हैं। जिसकी प्रेरणा उन्हें पिताजी से मिली थी। जिन्होंने पूरे जीवन सिर्फ साइकिल ही चलाई। हालांकि उनके परिवार में कई स्कूटर, बाइक से लेकर कार तक है, लेकिन साइकिल के प्रति उनका प्रेम जग जाहिर है। सोशल मीडिया पर उनकी साइकिल चलाते हुए रील लोगों को प्रेरणा देती है। छुट्टियों में वह रोज सुबह साइकिल से विद्यालय परिसर में लगे पेड़ पौधों की देखभाल व पानी लगाने आदि का कार्य निपटाते हैं।साइकिल से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे सुनील- तहसील शाहबाद के ग्राम भवरकां निवासी किसान वीर सिंह यादव के छोटे बेटे राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुनील यादव साइकिल को साथी बनाकर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश देने के लिए अभियान चला रहे हैं। सुनील साइकिल का उपयोग करके ईंधन की बचत करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने का संदेश भी दे रहे हैं। उन्होंने लखनऊ, दिल्ली, हरिद्वार से जल भरकर विभिन्न शहरों में जल संरक्षण का भी संदेश दिया है। उन्होंने जागरूकता यात्रा को साइकिल से 20 हज़ार किमी का सफर तय किया है। एडवोकेट जाहिद सालों से चला रहे साइकिल- पिछले 5 साल से एडवोकेट जाहिद खान साइकिल चला रहे हैं। इनका साइकिल चलाने का उद्देश्य है पॉल्यूशन से बचाने का है। पर्यावरण को स्वस्थ रखा जाए इसलिए ज्यादातर काम साइकिल से करते हैं। कहीं दूर जाना होता है तो ही बाइक का इस्तेमाल कर लेते हैं। कोर्ट भी साइकिल से जाते हैं और लोगों को प्रेरित करते हैं। उनका कहना है कि साइकिल ही सेहत का खजाना है। डॉ. नादिर मिंया साइकिल का करते हैं सफर- रामपुर के पटरों वाली मस्जिद निवासी 79 वर्षीय सय्यद नादिर मियां पेशे से डॉक्टर हैं, सालों अभ्यास के दौरान साइकिल से ही पटवाई जाते थे। करीब 25 सालों साइकिल का सफर कर रहे हैं। परिवार से संपन्न हैं। इनके बेटे पुलिस सब-इंस्पेक्टर हैं, जबकि दूसरे बेटे राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज प्रवक्ता हैं। परिवार से संपन्न होने के बावजूद साइकिल से उनका प्रेम कम नहीं हुआ।

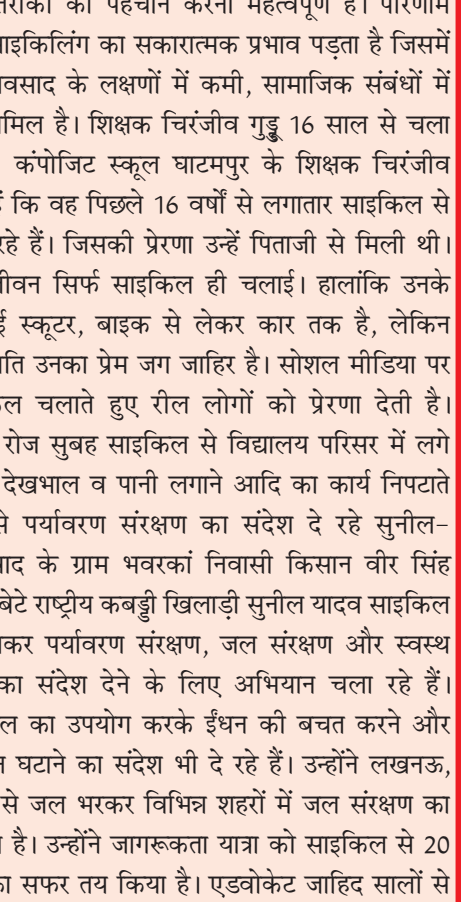

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शिवपुरी क्रिकेट अकादमी की 7-ए साइड क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राज शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में आयोजित होने वाली वार्षिक 7-ए साइड क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को तात्याटोपे स्टेडियम पॉलीग्राउंड में भव्य मार्च पास्ट के साथ हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक प्रहलाद भारती एवं पटेल एंड संस के संस्थापक भूपेंद्र सिंह पटेल उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

आयोजकों गिरीश मिश्रा मामा, छोटे खान एवं कोच कमल बॉथम शेरा के नेतृत्व में प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया जा रहा है। शिवपुरी क्रिकेट अकादमी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 19 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें एक बालिका टीम भी शामिल है। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले 6-6 ओवर के प्रारूप में खेले जाएंगे।

अकादमी के अनुसार प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का अनुभव प्रदान करना और उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी सफलता: 30 लाख रुपये के 120 गुम मोबाइल मालिकों को लौटाए

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी पुलिस की सायबर सेल ने गुम एवं चोरी हुए मोबाइलों की बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल करते हुए जिले के नागरिकों को राहत पहुंचाई है। सायबर सेल द्वारा करीब 30 लाख रुपये मूल्य के 120 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे गए।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं सायबर सेल प्रभारी धर्मेंद्र सिंह जाट ने मोबाइल धारकों को उनके मोबाइल सुपुर्द किए।

सायबर सेल को प्राप्त आवेदनों के आधार पर टीम ने लगातार तकनीकी जांच और समन्वय के माध्यम से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों सहित उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किए। बरामद मोबाइलों में विभिन्न कंपनियों के महंगे स्मार्टफोन भी शामिल हैं।

विशेष रूप से करीब एक लाख रुपये मूल्य का आईफोन खोने के महज एक दिन के भीतर ट्रेस कर उसके मालिक को वापस दिलाया गया, जिसकी लोगों ने सराहना की। मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने शिवपुरी पुलिस और सायबर सेल का आभार व्यक्त किया।

सायबर सेल की इस उपलब्धि ने आमजन में यह विश्वास और मजबूत किया है कि गुम या चोरी हुए मोबाइलों की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रभावी प्रयास कर रही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में भी सायबर सेल शिवपुरी ने लगभग 700 मोबाइल फोन बरामद कर लोगों को लौटाए थे।इस कार्रवाई में सायबर सेल प्रभारी धर्मेंद्र सिंह जाट, प्रधान आरक्षक विकास सिंह चौहान तथा आरक्षक आलोक व्यास, दामोदर परिहार, जलज रावत एवं भूपेंद्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

माटी की कला को मिलेगा नया मुकाम , हुनरमंदों के लिए सरकार का बड़ा उपहार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / 8 जून तक करें आवेदन, 15 दिन का आवासीय प्रशिक्षण देगा रोजगार का नया रास्ता बरेली। माटी कला से जुड़े कारीगरों और शिल्पियों के लिए सुनहरा अवसर आया है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि माटी कला कौशल विकास योजना के अंतर्गत कारीगरों को अपना उद्यम बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए 15 दिवसीय निशुल्क माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण उ0प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, पिपरौला (शाहजहांपुर) में आयोजित होगा। प्रशिक्षण पूरी तरह आवासीय रहेगा और सभी चयनित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षुवृत्ति (स्टाइपेंड) भी प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा साक्षर होना अनिवार्य है। ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक माटीकला कारीगर एवं शिल्पी 08 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए ई-टेंडर जारी, 10 जून तक कर सकेंगे आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2026-27 में नवविवाहित जोड़ों को उपहार सामग्री उपलब्ध कराने तथा विवाह समारोह के लिए टेंट, पंडाल एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु ई-टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं एवं फर्मों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि उपहार सामग्री आपूर्ति के लिए ई-टेंडर आईडी 2026_DSWUP_1155834_1 तथा टेंट-पंडाल एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए ई-टेंडर आईडी 2026_DSWUP_1156058_1 दिनांक 03 जून 2026 को प्रकाशित की गई हैं। दोनों टेंडरों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून 2026, शाम 4 बजे निर्धारित की गई है। इच्छुक फर्में निर्धारित समय सीमा के भीतर ई-टेंडर पोर्टल पर आवेदन कर सकती हैं। साथ ही ईएमडी एवं टेंडर शुल्क से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी समय से जमा करना अनिवार्य होगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि टेंडर से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय समय में जिला समाज कल्याण कार्यालय, बरेली से प्राप्त की जा सकती है।

साध्वी प्राची ने सूर्या हत्याकांड पर दिया बड़ा बयान, गाजियाबाद के खोड़ा को बताया मिनी पाकिस्तान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की नेता साध्वी प्राची बुधवार को बरेली पहुंचीं। उन्होंने गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं। साध्वी प्राची ने सभी

हत्यारोपियों के एनकाउंटर की मांग की और खोड़ा को %मिनी पाकिस्तान% बताया। प्राची ने हत्याकांड में मौलानाओं और मौलवियों की संलिप्तता का आरोप भी लगाया। इस दौरान विवादित बयान भी दिया। प्राची ने कहा कि वह सूर्या चौहान की हत्या से बहुत दुखी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि हत्यारोपियों के एनकाउंटर के लिए किसी मौलाना का फतवा क्यों जारी नहीं हुआ। उन्होंने प्रशासन पर भी निशाना साधा। कहा कि खोड़ा को मिनी पाकिस्तान बनाने की पूरी साजिश चल रही है। उन्होंने अवैध मदरसों और मस्जिदों में संदिग्ध लोगों की मौजूदगी का दावा किया। प्राची ने कहा कि प्रशासन में बैठे भाईचारे वाले लोग सचेत रहकर काम करें। पीड़ित परिवार से मिलने जाएंगी प्राची साध्वी प्राची ने कहा कि सूर्या चौहान की हत्या के बाद ही प्रशासन की आंखें खुली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्व हिंदू परिषद ने पहले भी शिकायतें की थीं, लेकिन प्रशासन ने कोई जानकारी नहीं ली। प्राची ने कहा कि एक एनकाउंटर से हिंदू समाज खुश नहीं है। उन्होंने बृहस्पतिवार को गाजियाबाद में पीड़ित परिवार से मिलने जाने की बात कही।

जंगली सूअर के मांस के साथ ग्राम चौकीदार गिरफ्तार, वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

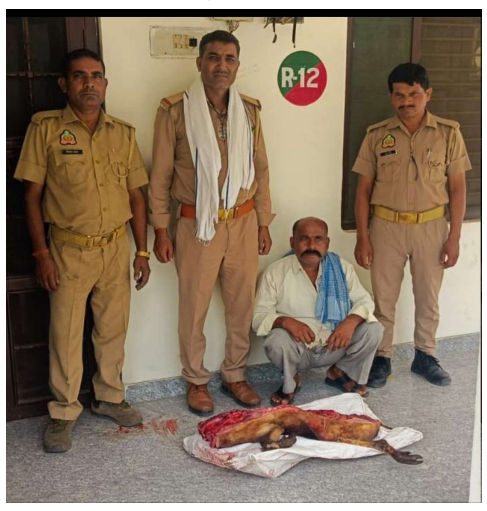

क्यूँ न लिखूँ सच/मोहम्मद सलीम/ पीलीभीत। वन विभाग की टीम ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगली सूअर के मांस के साथ एक ग्राम चौकीदार को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 10 किलोग्राम मांस बरामद किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम निजाम दांडी निवासी प्रेमपाल पुत्र स्वर्गीय होरीलाल के पास जंगली सूअर का मांस मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग की टीम ने आरोपी के घर पर छापेमारी की, जहां से लगभग 10 किलो मांस बरामद किया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बरामद मांस जंगली सूअर का पाया गया है। आरोपी प्रेमपाल वर्तमान में थाना जहानाबाद में ग्राम चौकीदार के पद पर तैनात बताया जा रहा है। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वन्यजीवों के शिकार और अवैध व्यापार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस कार्रवाई में उप क्षेत्रीय वन अधिकारी दिग्विजय सिंह, वनरक्षक रणजीत सिंह, अर्दली तेजपाल तथा टीसी किशन लाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

12 साल की विकास यात्रा का महाअभियान: 5 से 21 जून तक जन-जन तक पहुंचेगी सरकार की उपलब्धियां

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम से होगी। इसके बाद जनकल्याण मेले, स्वास्थ्य शिविर, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, प्रदर्शनियां, चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा रात्रि चौपालों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने, उनकी समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक देश दीपक, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी बहेड़ी ईशिता किशोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बरेली में नागरिक सुरक्षा विभाग ने संभाली जागरूकता की कमान

15 जून तक चलेगा विशेष अभियान, लोगों को सिखाए गए आग से बचाव के तरीके

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी और बढ़ती आगजनी की घटनाओं को देखते हुए नागरिक सुरक्षा विभाग ने जनपद में व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे नागरिक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को सिविल डिफेंस पोस्ट-जनपद बरेली द्वारा साईं होटल मोटर साइकिल शोरूम, पीलीभीत बाईपास रोड पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक उप नियंत्रक एवं डिप्टी चीफ वार्डेन प्रमोद कुमार दुबे ने उपस्थित लोगों को आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आग लगने पर घबराने के बजाय तत्काल 112 नंबर पर सूचना दें तथा उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करें।

प्रशिक्षण के दौरान गैस सिलेंडर, बिजली के उपकरणों एवं ज्वलनशील पदार्थों से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए। साथ ही अग्निशमन यंत्रों के संचालन का प्रदर्शन कर लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख सहभागीता में भूमिका में विकास अग्रवाल, बृजेश कुमार, पुष्पेंद्र शर्मा, समर अवस्थी, सुनील वर्मा, राहुल शर्मा, पम्मी अग्रवाल, शिवम वर्मा, ललित, रूपाली सक्सेना, समर सक्सेना, शिवा तथा राजपाल सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। नागरिक सुरक्षा विभाग का यह अभियान 15 जून तक जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके।

सुभाषनगर पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस सहित युवक को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सुभाषनगर पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पुरानी पानी की टंकी के पास अंधी पुलिया क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अमन कश्यप पुत्र स्व. राजू कश्यप निवासी शांति विहार, सुभाषनगर को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह तमंचा और कारतूस अपनी सुरक्षा के लिए रखता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 369/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक प्रांशु सचान, कांस्टेबल कपिल तथा कांस्टेबल अंकित नागर सहित टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिकायत निस्तारण में फिसड्डी अफसरों पर गिरी गाज : डीएम ने 15 का रोका वेतन, लापरवाह अधिकारियों को जारी किए नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनसुनवाई पोर्टल पर माह मई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान पर जिलाधिकारीअविनाश सिंह समीक्षा में कई विभागों और अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाया ने सख्त कार्रवाई करते हुए 15 आदेशों तक बाधित कर दिया। अधिकारियों को उनके कार्य निस्तारण में लापरवाही के करने हेतु नोटिस जारी किए गए संतोषजनक प्रगति न मिलने ने कड़ा रुख अपनाया है। अधिकारियों का प्रदर्शन गया, जिस पर जिलाधिकारी अधिकारियों का वेतन अग्रिम इसके साथ ही 52 निष्पादन एवं शिकायतों के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई एवं शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गूगल मीट समीक्षा के दौरान एसएसपी ने करगैना चौकी इंचार्ज को किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्या ने गूगल मीट पर समीक्षा कर रहे थे। जिसमें चौकी प्रभारी करगैना की लापरवाही मिलने पर एसएसपी अनुराग आर्य ने करगैना चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए। दरअसल एसएसपी अनुराग आर्य ने गूगल मीट के जरिए डेली समीक्षा की और कानून व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। गूगल मीट के दौरान पुलिस अधीक्षक, सीओ और सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान पता चला कि थाना बारादरी क्षेत्र में चलती बाइक से मोबाइल फोन और पर्स छीनने के आरोपी अजय साहू निवासी थाना सुभाषनगर, करगैना चौकी क्षेत्र को जेल भेजा गया था। इसके घटना के बाद थाना इज्जतनगर क्षेत्र की दूसरी छिनैती की घटना में अजय साहू का नाम सामने आया था। चौकी इंचार्ज ने नहीं की हिस्ट्रीशीटर की निगरानी एसएसपी अनुराग आर्य ने जांच के दौरान पाया कि अजय साहू थाना सुभाषनगर का हिस्ट्रीशीटर है। बावजूद इसके करगैना चौकी प्रभारी ने न तो यक्ष एप की एसओपी के मुताबिक उसकी प्रभावी निगरानी की और न ही उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा करगैना चौकी प्रभारी एसआई राजेन्द्र सिंह सिरोही ने अपराध नियंत्रण व मामलों की विवेचना में भी लापरवाही की। अप्रैल माह में 35 विवेचनाओं में से महज 11 का निस्तारण किया गया। आयुध अधिनियम, जुआ अधिनियम, वाहनों के सीजर व 110त्र समेत 34 पुलिस अधिनियम के तहत भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह सिरोही को फौरी तौर से निलंबित कर दिया। फिलहाल एसएसपी ने विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

आर्थिक मंदी में भी मजबूत है भारतीय अर्थव्यवस्था, ट्रेडर अब एक्सपोर्टर बनकर करें तरक्की: सुनील सिंघी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। केन्द्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील जें सिंघी ने कहा है कि पश्चिमी बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत से उद्योग-कारोबार को नई ताकत मिलने जा रही है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध-अराजकता के हालात हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूती से खड़ा है। ट्रेडर एक्सपोर्टर बनकर आर्थिक तरक्की करे, व्यापार-उद्योग नए रास्तों पर आगे बढ़े, इसके लिए सरकार स्पष्ट नीति, नियत और निर्णय के साथ काम कर रही है। बरेली में परसाखेड़ा स्थित बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज सभागार में आयोजित व्यापारी उद्योगपति एवं सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोर्ड अध्यक्ष सुनील सिंघी ने कहा कि औद्योगिक एवं कारोबारी विकास की प्रथम आवश्यकता मजबूत कानून और व्यवस्था होती है। पीएम मोदी एवं सीएम योगी ने यूपी में सुरक्षित माहौल दिया है। डॉ. केशव अग्रवाल ने भेंट किया प्रतीक चिन्ह ऐसा ही बंगाल में होगा अध्यक्ष सिंघी ने कहा कि पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर में सबसे उद्योग कारोबार के हित का संकल्प दोहराया था किंतु परंतु नहीं, आजादी के बाद पहली बार मोदी सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन करके दिखाया। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था कैमरा रही है मगर हम स्थिर है। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुनील सिंघी और बोर्ड के सदस्य राजेंद्र गुप्ता के साथ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, आईआईए के पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल का भव्य स्वागत हुआ। बीएल एग्रो चेयरमेन डॉ. घनश्याम खंडेलवाल, एमडी आशीष अग्रवाल के साथ बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं सेंट्रल यूपी चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. केशव अग्रवाल ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेट किए।

पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भुता । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भूता पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। राकेश निवासी अठायन, सोहनलाल निवासी विषेशपुर, चंद्रपाल निवासी कोठा मक्खन थाना भुता सहित तीनों ,वारंटी काफी समय से फरार चल रहे थे और न्यायालय द्वारा उनके विरुद्ध वारंट जारी किए गए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना एवं लगातार की जा रही तलाश के आधार पर तीनों वारंटियों को उनके क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार आरोपियों में हड़कंप मचा हुआ है।

यूपी के मंत्री राजभर बोले- इंडिया गठबंधन बेदम, साथ मिलकर भी यूपी चुनाव में रहेगा बेअसर

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यूपी में एनडीए गठबंधन प्रभावी है जबकि इंडिया गठबंधन फेल है। इसके नेता साथ आकर भी यूपी चुनाव में कुछ भी असर नहीं डाल पाएंगे।यूपी सरकार में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने इंडिया गठबंधन की दिल्ली में आठ जून को होने वाली बैठक को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन बेदम हो चुका है। इसके नेताओं का यूपी में कोई प्रभाव नहीं है। ममता बनर्जी का प्रभाव पश्चिम बंगाल में है पर यूपी में बेअसर हैं। इसी तरह कांग्रेस का भी यूपी में कोई प्रभाव नहीं है।उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ आने पर यूपी के चुनाव पर कुछ भी असर नहीं पड़ेगा। यूपी में एनडीए इसलिए ताकतवर है क्योंकि इससे जुड़ी हुई छोटी पार्टियां भी प्रदेश के कई जिलों में प्रभाव रखती हैं जबकि इंडिया गठबंधन फेल है।गैर यादव ओबीसी पर हमलों पर क्यों चुप हैं अखिलेश यादव इसके पहले, राजभर ने मंगलवार को फिर से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सियासी तीर छोड़े। बीते पांच दिनों में पांच गैर यादव जाति के ओबीसी युवकों पर हमलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुसलमान और यादव बिरादरी के लोगों पर हमले होते हैं तो सपा अध्यक्ष तत्काल बयान जारी करते हैं, लेकिन गैर यादव पिछड़ी जातियों के लोगों पर हुए हमले पर उनकी जुबान सिल जाती है। उन्होंने एक्स पर अखिलेश और उनके समर्थकों पर बहुजन, गैर-यादव पिछड़ों और गरीब तबकों के खिलाफ हिंसा को लेकर सवाल उठाए हैं। कहा कि वह किसी की धमकी से डरने वाले नहीं हैं। पिछली घटनाओं का जिक्र करते हुए अखिलेश के पीडीए फॉर्मूले पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने अमेठी से सपा विधायक महाराजी प्रजापति व चंदौली में सपा जिलाध्यक्ष गार्गी पटेल के साथ मारपीट, रामजन्म राजभर, धनराज मौर्य और सूर्या चौहान हत्याकांड और लखनऊ में संदीप सिंह की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि इन घटनाओं में शामिल कौन लोग हैं यह सपा अध्यक्ष जानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग उनके ही शागिर्द हैं। इसलिए सपा मुखिया ने चुप्पी साध ली है।

परीक्षा में सेंध: बरेली में पकड़ा गया सॉल्वर, डेढ़ लाख में सौदा कर दूसरे की जगह देने आया था परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) परीक्षा के पहले ही दिन सॉल्वर ने सेंध लगा दी। पाली के दौरान इस्लामिया एक सॉल्वर पकड़ा गया आजमगढ़ जिले का विमल सिंह नामक परीक्षा दे रहा था। सुरक्षा रही बायोमेट्रिक जांच में गई। पूछताछ में प्रमोद ने सौदा डेढ़ लाख रुपये में ने आरोपी को गिरफ्तार आई। पुलिस उससे गहन जांच पूरी होने तक उसे गया है। सॉल्वर के पकड़े बुधवार को पहली गर्ल्स इंटर कॉलेज में है। आरोपी प्रमोद निवासी है। यह युवक परीक्षार्थी की जगह एजेंसी द्वारा की जा उसकी पोल खुल कबूल किया कि यह तय हुआ था। पुलिस कर कोतवाली ले पूछताछ कर रही है। मीडिया से दूर रखा जाने की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी कॉलेज पहुंचे और घटना की पुष्टि की। बताया कि आरोपी ने दूसरे के आधार कार्ड पर अपना फोटो लगा रखा था। बरेली जिले में बुधवार को बीस केंद्रों पर टीजीटी परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा दो दिन में चार पालियों में होनी है। इसके लिए कुल 32,365 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। प्रशासन ने कड़ी निगरानी के दावे किए थे। इसके बावजूद पहली पाली में ही सॉल्वर पकड़ा गया। परीक्षार्थियों को केंद्रों पर कड़ी तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया था। सुबह नौ बजे से शुरू हुई यह पाली 11ः30 बजे तक चली। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र का स्तर सामान्य बताया।

द. अफ्रीका के उपराष्ट्रपति से मिली राष्ट्रपति मुर्मू, द्विपक्षीय सहयोग-निवेश बढ़ाने पर हुई चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दक्षिण अफ्रीका के उप-राष्ट्रपति से मुलाकात कर व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने 15.5 अरब डॉलर के व्यापार को और बढ़ाने और भारत-अफ्रीका फोरम समिट को जल्द आयोजित करने की बात कही। राष्ट्रपति व्यापारिक रिश्तों को और मजबूत करना चाहिए। उन्होंने दोनों किया। राष्ट्रपति ने जोर दिया कि दोनों देशों को इस द्विपक्षीय राष्ट्रपति मुर्मू ने यह बातें दक्षिण अफ्रीका के उप-राष्ट्रपति राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक विशेष बहुत महत्वपूर्ण है। व्यापार पर चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा ज्यादा संभावनाएं छिपी हैं। उन्होंने कहा कि हमें व्यापारिक हमें ऐसा नीतिगत माहौल बनाना होगा जिससे दोनों देशों की कंपनियों को एक-दूसरे के बाजार में निवेश और कारोबार बढ़ाने में आसानी हो। राष्ट्रपति मुर्मू ने अफ्रीका के साथ भारत की साझेदारी पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत अफ्रीका के साथ अपने रिश्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत जल्द ही भारत-अफ्रीका फोरम समिट को फिर से आयोजित करने के लिए अफ्रीकी संघ आयोग के साथ मिलकर काम करेगा। इबोला वायरस के फैलने की चिंताओं के कारण पिछले महीने दिल्ली में होने वाले इस सम्मेलन को टाल दिया गया था। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि आपसी सहयोग से दोनों देशों के लोगों को बहुत फायदा होगा। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि दक्षिण अफ्रीका वह पहला देश था जिसके साथ भारत ने साल 1997 में रणनीतिक साझेदारी शुरू की थी। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका हमेशा से %ग्लोबल साउथ% की मजबूत आवाज रहे हैं। दोनों देशों का उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष का एक साझा इतिहास रहा है।

द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका को अपने देशों के बीच वर्तमान में हो रहे 15.5 अरब डॉलर के व्यापार का जिक्र व्यापार को एक ऊंचे स्तर पर ले जाने के लिए लगातार प्रयास करने चाहिए। शिपोकोसा पॉलस माशातिले के साथ बैठक के दौरान कहीं। माशातिले ने माशातिले का भारत की उनकी पहली यात्रा पर गर्मजोशी से स्वागत किया। दोस्ती है। यह दोस्ती ऐतिहासिक होने के साथ-साथ आज के समय में भी कि 15.5 अरब डॉलर का मौजूदा व्यापार अच्छा है, लेकिन इसमें और भी रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए

संक्षिप्त समाचार

करंट से हुई मौत, अब सहायता हड़पने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती सोनवा क्षेत्र के सोनवा गांव में 25 दिन पूर्व करंट से हुई सीताराम की मौत के मामले में मृतक की बेटी ने चाची व चचेरे भाइयों पर सहायता राशि हड़पने का आरोप लगाया है। आइजीआरएस पोर्टल पर इसकी शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि सहायता राशि हड़पने के चचेरे भाइयो ने पिता के मौत की सूचना भी उसे नहीं दी। सोनवा निवासी सीताराम की छह मई की सुबह गांव के पास करंट लगने से मौत हो गई थी। 25 मई को भिनगा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोठवा के अहिरनपुरवा निवासी रीता देवी ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि वह सीताराम की बेटी है। करंट से मौत के बाद उसकी चाची व चचेरे भाइयों ने सूचना उन्हें नहीं दी और अंतिम संस्कार की भी कोई जानकारी नहीं मिली। पिता के नाम की संपत्ति पहले ही हड़प चुके हैं। अब बिजली विभाग से मिलने वाली सहायता राशि भी हड़पने में लगे हैं। वह अपने पिता की वह इकलौती संतान है और ससुराल में रहती है। पिता के मौत की सूचना मोबाइल पर चल रही खबर से मिली थी। मायके पहुंची तो पता चला कि अंतिम संस्कार हो चुका है। एक्सईएन विद्युत राज नारायण ने बताया कि मृतक की बेटी को सहायता राशि पाने की प्रक्रिया बता दी गई है। एसडीएम से वारिस प्रमाण पत्र लाना होगा।

जिस बेटे को शरीफ मानते थे लोग, उसी ने माता-पिता और बहन का किया कत्ल, खुद भी मारा गया

साउथ मलाका में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। मंगलवार को कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे की लाश घर में पाई गई थी। सिर को कूंचकर उनकी हत्या की गई थी। हत्या को अंजाम रविवार को ही दिया गया था। जिस बेटे की लाश कारोबारी के साथ पाई गई थी, उसी ने दोस्त के साथ मिलकर माता-पिता और बहन की हत्या की थी। इसके बाद दोस्त के हाथों वह भी मारा गया। शहर के साउथ मलाका में हुए कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे के सामूहिक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या को अंजाम कारोबारी के बेटे ने ही दिया था, जो बाद में खुद भी बंटवारे के विवाद दोस्त के हाथों मारा गया। पुलिस के अनुसार कारोबारी के बेटे अभिषेक ने ही अपने एक दोस्त की मदद से अपने माता-पिता, बहन की हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखे सारे जेवरात लूट लिए। बंटवारे को लेकर विवाद होने के बाद दोस्त ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार रविवार को हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, जबकि बदबू आने पर मंगलवार को घटना का पता चला था। इस मामले में चौकी इंचार्ज समेत दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अपने दोस्त को साथ मिलकर बनाई हत्या की योजना- अभिषेक वैश्य ने अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर अपने ही घर में लूटपाट और माता-पिता और बहन के सफाए की योजना बनाई। उसके बुलावे पर शनि गुप्ता रविवार की रात को लोहे की पाइप लेकर आ गया। पहले दोनों ने बैठकर बीयर पी। इसके बाद दोनों ने मिलकर कारोबारी, उनकी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद पूरे घर में लूटपाट कर जेवरात और नकदी को एकत्र किया। मौके पर ही दोनों के बीच लूट के माल के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद शनि गुप्ता ने अभिषेक की भी हत्या कर दी। बहुत ही शातिर तरीके से उसने गत्ते पर लिख दिया, बंटी और बबली ने मारा है। ताकि हत्या का आरोप कारोबारी के छोटे बेटे और बहू पर लगे। छोटा बेटा फिलहाल जेल में बंद है। सीसीटीवी फुटेज ने खोला राज- एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में एक व्यक्ति मृतक वीरेंद्र वैश्य के कपड़े और जूते पहनकर परिसर से निकलता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों से पूछताछ में उसकी पहचान शनि गुप्ता के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मटियारा क्षेत्र स्थित उसके घर से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कबूला पूरा घटनाक्रम- पुलिस पूछताछ में आरोपी शनि गुप्ता ने बताया कि उसकी दोस्ती अभिषेक वैश्य से थी। अभिषेक आर्थिक तंगी और संपत्ति विवाद से परेशान था। दोनों ने मिलकर परिवार की हत्या और जेवर लूटने की योजना बनाई। 31 मई की शाम सबसे पहले बहन मीनाक्षी की हत्या की गई। इसके बाद माता-पिता वीरेन्द्र और अनीता वैश्य को लोहे की रॉड से मार डाला गया। वारदात के बाद दोनों ने हत्या को दूसरे लोगों पर थोपने की कोशिश भी की। बंटवारे की बात आई तो शनि और अभिषेक के बीच विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार लालच में आकर शनि ने अभिषेक की भी लोहे के पाइप से हत्या कर दी। इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए शवों पर डिटर्जेंट, हार्पिक, ब्लीचिंग पाउडर, हल्दी और सरसों का तेल डाला और घटनास्थल की सफाई की। एक किलो से अधिक जेवर बरामद- गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, 1002.12 ग्राम सोने के आभूषण, 360.56 ग्राम चांदी के आभूषण और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में लूट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस टीम को मिलेगा 50 हजार का इनाम- हत्याकांड का महज 12 घंटे में सफल अनावरण करने वाली एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम को पुलिस विभाग की ओर से 50 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूँ को मिला नया नेतृत्व: डॉ. शिव कुमार ने संभाला प्रधानाचार्य का कार्यभार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूँ में प्रशासनिक स्तर पर वरिष्ठ चिकित्सक प्रो. (डॉ.) शिव कुमार ने प्रधानाचार्य ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ. शिव कुमार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाना, विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार करना तथा मरीजों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों एवं राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के मानकों के अनुरूप शिक्षण एवं चिकित्सकीय कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। डॉ. शिव कुमार ने यह भी कहा कि मरीज हित सर्वोपरि रहेगा तथा सरकार द्वारा प्रदत्त सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पात्र मरीजों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने चिकित्सा शिक्षकों को पठन-पाठन, शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही चिकित्सालय में मरीज हित से जुड़े विषयों, विशेषकर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) एवं उपचार व्यवस्था में मौजूद कमियों को शासन एवं प्रशासन के संज्ञान में लाकर उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही।

नवागत प्रधानाचार्य ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी चिकित्सकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से मेडिकल कॉलेज को शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

5 जून से 21 जून तक जनपद में समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान का होगा संचालन

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आगामी 7 जून, 2026 को केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर 5 जून से 21 जून 2026 तक प्रदेश भर में व्यापक स्तर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीतियों, संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उपलब्धियों तथा जनसामान्य के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन को प्रदर्शित करने हेतु एक समेकित अभियान संचालित किया जाएगा। इसके सफल संचालन के लिए डीएम अवनीश राय ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की।

कार्यक्रम अंतर्गत समस्त कार्यक्रम सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के मूल भाव के अनुरूप संचालित किए जाएगे। केन्द्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के संतृप्तीकरण तथा प्रदेश में विगत वर्षों में हुए विकास कार्यों एवं सुशासन मांडल को समस्त कार्यक्रमों में समाहित किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2026) इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी की अपील के अनुसार सम्पूर्ण प्रदेश में एक पेड़-माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत समस्त 825 विकास खण्डों तथा 762 नगर निकायों के साथ-साथ समस्त ग्राम पंचायतों में 5 करोड़ पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा। विशेष जन-सम्पर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम (8 जून, 2026 से 14 जून, 2026)रू माननीय प्रभारी मंत्री जी / अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण एवं नोडल प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों तक शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं उपलब्धियाँ पहुँचाने हेतु जनपद के प्रबुद्ध वर्ग यथा चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, उद्यमियों, व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि से सम्पर्क एवं संवाद स्थापित किया जाएगा।

मीडिया सम्बोधन एवं संवाद (11 जून, 2026 से 14 जून, 2026)-12/ 13 जून, 2026 को प्रदेश स्तर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा मीडिया को सम्बोधित किया जाएगा तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की अद्यतन उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। तत्पश्चात् समस्त जनपदों में माननीय प्रभारी मंत्रिगण, केन्द्र सरकार के माननीय मंत्री अथवा बोर्ड / आयोग के वरिष्ठ पदाधिकारीगण प्रेस वार्ताएँ आयोजित कर सरकार की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला (14 जून, 2026 से 16 जून, 2026) प्रदेश के समस्त 825 विकास खण्डों में आयोजित होने वाले इन त्रि-दिवसीय जन-कल्याण मेलों में समस्त विभागों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इन मेलों में केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कराया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन (16 जून, 2026 से 17 जून, 2026), विकास प्रदर्शनी (17 जून, 2026 से 20 जून, 2026) प्रत्येक जनपद में आयोजित होने वाली 3-दिवसीय प्रदर्शनियों में युवा, महिला एवं गरीब कल्याण को समर्पित सरकार की उपलब्धियों तथा उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी वृहद इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, आध्यात्मिक केन्द्रों के विकास एवं आन्तरिक सुरक्षा के सुदृढ़ मॉडल को ष्पहले और अबष् के प्रारूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

प्राकृतिक खेती कार्यशालाएँ (18 जून से 19 जून) अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2026), रात्रि चौपाल एवं विश्रामः अभियान अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शासकीय योजनाओं की समीक्षा एवं जन-शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पत्रकार राज संघ के जिला अध्यक्ष बने कमल सोलंकी, बधाइयों का लगा तांता

क्यूँ न लिखूँ सच/ धार जिले के वरिष्ठ पत्रकार कमल भगवानलाल सोलंकी को पत्रकार राज संघ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्रकार राज संघ द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार कमल सोलंकी को धार जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने उन पर विश्वास जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि वे जिले में संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

संगठन ने निर्देश दिए हैं कि आगामी एक माह के भीतर जिला कार्यकारिणी का गठन कर उसकी जानकारी संगठन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। इस जिम्मेदारी को लेकर कमल सोलंकी ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

पत्रकारों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि कमल सोलंकी के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उनकी नियुक्ति से जिले के पत्रकारों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा तथा पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा।

एक बार फिर पत्रकार राज संघ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष कमल भगवानलाल सोलंकी को ढेरों शुभकामनाएं और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं।

सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाएं, नियमों की अनदेखी करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों का पालन ही बचा सकता है अनमोल जीवन, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को सभी विभाग मिलकर करें कार्य मा0 सांसद जालौन-गरौठा-भोगनीपुर नारायणदास अहिरवार की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था, दुर्घटना संभावित स्थलों, यातायात नियमों के अनुपालन तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई। मा0 सांसद ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल आंकड़े नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे किसी परिवार की अपूरणीय क्षति जुड़ी होती है। उन्होंने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, रॉन्ग साइड वाहन संचालन करने वालों तथा बिना नंबर प्लेट के वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक नागरिक स्वयं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक बने। उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने तथा युवाओं को यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाने पर बल दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 घनश्याम अनुरागी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर तक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी हेलमेट, सीट बेल्ट एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा आमजन से सड़क सुरक्षा अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पूर्व में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता पर कराए जाएं। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नियमों का सख्ती से पालन भी कराया जाए। सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क संकेतकों, स्पीड ब्रेकरों, चेतावनी बोर्डों तथा प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखते हुए यातायात को सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 बीरेंद्र सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पण्डित, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील कुमार, महेन्द्र सिंह, अमित सक्सेना, सचिव ओडीए परमानन्द यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बिजली की समस्या को लेकर गुरुगुज पुरवा पर विशाल धरना प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/मटेरा। विद्युत उपकेंद्र मटेरा के गुरगुज पुरवा पर लगभग एक माह से विद्युत कटौती के खिलाफ आज भारतीय किसान यूनियन के (किरन) के द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए

और विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण धरने पर एकत्रित रहे इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी पुनीत सिंह प्रदेश प्रवक्ता अनुज यादव जिला अध्यक्ष बाराबंकी सरबजीत सिंह फोर्स आलोक सिंह मीडिया प्रभारी सुनील कुमार साहू जिला उपाध्यक्ष बहराइच मुन्नालाल सैनी राम अवतार निषाद राम लखन निषाद चंद्रमा राजभर समेत ग्रामीण धरने पर एकत्रित हुए।

अपना दल एस की प्रदेशीय बैठक में लखनऊ पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ अपना दल एस के युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल से मुलाकात की सरकार की सहयोगी पार्टी युवा मंच के प्रदेशीय माधोगढ़ विधान सभा क्षेत्र दावेदार ओंकार सिंह ठाकुर गृह लखनऊ में पार्टी शामिल होने पहुंचे जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष और देश राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल और पार्टी संगठन को की राष्ट्रीय अध्यक्ष उन्हें निर्देश दिए है कि बनाने को लेकर वह क्षेत्र

कोंच(जालौन)। अपना दल एस के महासचिव और के पार्टी के प्रबल विक्की भैया ने प्रेक्षा संगठन की बैठक में उन्होंने पार्टी की की स्वास्थ्य से मुलाकात की लेकर विस्तृत चर्चा अनुप्रिया पटेल ने पार्टी को मजबूत में कार्य करें लोगो की जन समस्याओं को सुने उनका निराकरण कराए इसके बाद उन्होंने प्रदेश के केबिनेट मंत्री आशीष पटेल से भी मुलाकात की और तमाम जनपदीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया इस अवसर पर कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत स्तरीय जनसुनवाई पर उठे सवालों की जांच में शिकायत निकली निराधार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले की ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत बदरवास अंतर्गत ग्राम पंचायत अटलपुर एवं बरखेड़ाखुर्द में जनसुनवाई आयोजित नहीं होने की शिकायत की जांच कराई गई, जिसमें शिकायत पूरी तरह निराधार पाई गई।

जनपद पंचायत बदरवास के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद दोनों ग्राम पंचायतों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। पंचायतों द्वारा प्रस्तुत जानकारी और अभिलेखों के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को दोनों पंचायतों में विधिवत जनसुनवाई आयोजित की गई थी।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार ग्राम पंचायत अटलपुर में जनसुनवाई के दौरान 4 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि ग्राम पंचायत बरखेड़ाखुर्द में 3 आवेदनों पर सुनवाई की गई। दोनों पंचायतों द्वारा जनसुनवाई के आयोजन से संबंधित फोटोग्राफ भी जनपद पंचायत के अधिकृत व्हाट्सएप समूह पर साझा किए गए थे।

मामले की जांच के दौरान जनपद पंचायत सदस्य के कथन, शिकायत रजिस्टर एवं अन्य अभिलेखों का परीक्षण किया गया। उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि दोनों ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथि पर जनसुनवाई आयोजित हुई थी तथा शिकायत में लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पंचायत स्तर पर जनसुनवाई की व्यवस्था नियमित रूप से संचालित की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जा सके।

मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत श्रावस्ती पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर चलाया गया जागरुकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेजद्व5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम व समस्त थानो की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौपाल, संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा उपायों, कानूनी अधिकारों एवं सहायता सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें शक्ति दीदी के रूप में निडर होकर अपनी बात रखने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन, ठगी, फर्जी कॉल एवं संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने तथा किसी भी साइबर आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना देने के संबंध में जानकारी दी गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- रानीसीर गांव में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शव कमरे में छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला।

पुलिस व फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। बहराइच जिले के रानीपुर क्षेत्र के विशुनापुर गांव निवासी नगमा की शादी तीन वर्ष पूर्व हरदत्तनगर गिरंट क्षेत्र के रानीसीर गांव निवासी शाहबाज के साथ हुई थी।

शहबाज सऊदी जा रहे अपने पिता कलाम को छोड़ने के लिए लखनऊ एयरपोर्ट गए थे सुबह शाहबाज की मां नजमी बकरी लेकर खेत को चली गईं। दोपहर में जब वह बकरी लेकर लौटीं तो देखा कि नगमा कमरे में छत के पंखे में दुपट्टे के सहारे लटका मिला

शव पुलिस और फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से एकत्र किए साक्ष्य अंदर से बंद है। आवाज देने पर कमरा नहीं खुला। खिड़की से कमरे में झांका तो देखा कि नगमा का शव छत के पंखे से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटक रहा है। सूचना पुलिस को दी गई।

जमुनहा नायब तहसीलदार अम्बरीश व थानाध्यक्ष महिमानाथ उपाध्याय पुलिस टीम के साथ पहुंचे। पुलिस टीम ने किसी प्रकार दरवाजा खुलवाकर शव को फंदे से नीचे उतरवाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

Mental Health: Donkeys Become 'Happiness Therapists' to Fight Anxiety and Depression, Patients Finding Relief Like Medicine

In Paris, donkeys are being used to treat people with mental health issues. This new formula of "animal medicine" is providing relief to many patients. This unique method of relieving anxiety and depression is being widely discussed worldwide. While diseases like diabetes, high blood pressure, and cancer are often discussed, do you pay as much attention to mental health issues? Statistics show that the incidence of mental illness has risen rapidly, albeit quietly, over the past decades, with one in seven people worldwide now suffering from some form of mental illness. According to a new global report published in The Lancet, approximately 1.2 billion people worldwide are affected by some form of mental disorder. The risk of this problem has increased even more rapidly in recent decades. This study, conducted by scientists from the Institute for Health Metrics and Evaluation (IHME) and the University of Queensland, is based on data from 204 countries between 1990 and 2023. According to the study, the number of people affected by mental disorders has doubled between 1990 and 2023 (in 34 years). The study evaluated 12 major mental disorders, including anxiety and major depressive disorder. Experts are concerned that a large number of people still suffer from mental health problems. Experts believe that situations such as the pursuit of likes on social media, competition, and uncertainty about the future are the main causes of mental stress among young people. Experts believe that if mental problems are not identified and treated at this age, they can have long-term impacts on a person's life, education, and employment. Even developed regions like Europe, the United States, and Australia face a significant burden of mental disorders. The burden of mental illness is highest among

adolescents aged 15 to 19. This is the age when young people are navigating their education, careers, and social relationships, but it is during this time that depression and anxiety disorders are rapidly increasing. An interesting approach to treating mental illness: Advances in medical science and effective medication and therapy have made treating mental illness much easier. In a similar vein, a psychiatric hospital in Paris is using donkeys for patient therapy. The hospital campus has created a serene environment of agriculture and lush forests. Here, patients take the donkeys for walks and spend time caring for them. Nathalie, a 60-year-old patient, says, "This therapy is similar to how you feel relaxed after taking medication." Nathalie says, "I would call it 'animal medicine,' it provides relief." You stop thinking about everything else, much like the feeling you get after taking mental health medication. "Animal Medicine" - Donkeys Relieve Anxiety and Depression According to the report, patients attend these sessions free of charge as part of their treatment, funded by the French public health system. A donkey is assigned to each participant. Over time, they become familiar with each other's personalities. Audrey Seifer, a nurse at the animal therapy unit, explained that after just a few sessions, Nathalie and the other patients' condition improved significantly. Initially, Nathalie couldn't get out of her wheelchair (for the physically challenged). But gradually, as she gained courage, she began to venture out. Jerome, a 52-year-old patient, explained that the program helps reduce loneliness. It also helps you transition from daily treatments and medications. How does this therapy work? Ermelinda, a nurse specializing in psychiatry, says animal therapy can be very beneficial for those with mental illness. Her husband trained donkeys for therapy purposes. Donkeys are calm and gentle animals that are generally very close to humans. Once they become accustomed to these interactions, they develop a strong bond with patients. Since 2022, the animal therapy program has been officially recognized as a health care unit at the hospital. The program has since expanded to include guinea pigs, chickens, pigeons, goats, turtles, and rabbits. Sessions are tailored to the patient's condition, their needs, and preferences. Health experts say these sessions are specifically designed to help patients with anxiety, depression, autism, schizophrenia, or other illnesses. These sessions also help improve emotional control, communication, social interaction, and self-esteem. Experts in this therapy say that while this approach doesn't replace medical treatment or medication, it can help patients regain their lost self-confidence and sense of self-worth. Even this much can be considered a significant improvement for those suffering from mental illness.

Causes of High BP: 4 major causes of high blood pressure, learn which mistakes can worsen your health

People often believe that if they regularly eat home-cooked meals, their blood pressure will remain under control. Often, this isn't the case. When this happens, your own mistakes may be the cause. People often believe that if they eat home-cooked meals and avoid outside fast food, their blood pressure will always be under control. But this isn't entirely true. High blood pressure, or hypertension, is not only affected by eating outside food, but also by some of our daily habits and lifestyle mistakes. Sometimes, even when people consider them healthy, they consume foods that increase sodium levels in the body. This is why controlling blood pressure can be difficult without proper information. Therefore, it's important to understand the reasons that can increase blood pressure even after eating home-cooked meals. Excessive salt intake - The most common cause of high blood pressure is excessive sodium intake. When salt enters the body, the body begins to retain water, which increases blood volume and puts pressure on the heart. Many people think that only added salt is the problem, but in reality, pickles, papads, namkeen, instant spices, and packaged foods also contain hidden salt. Consuming too much salt continuously increases pressure on blood vessels, which can worsen high blood pressure in the long run. Stress and mental stress - Chronic stress affects the body's hormonal system, especially adrenaline and cortisol hormones. When a person is stressed, the heart rate increases and blood vessels constrict, leading to increased blood pressure. Office pressure, family tensions, and lack of sleep further exacerbate this problem. Long-term stress can also make high blood pressure a permanent problem. Lack of physical activity - If the body does not get enough movement, blood circulation slows down. A sedentary lifestyle increases obesity, which is directly linked to high blood pressure. Regular exercise like walking, yoga or light workout strengthens the heart and helps in controlling blood pressure. Lack of physical activity gradually leads the body towards many diseases. Obesity and wrong lifestyle- Excessive weight increases fat in the body, due to which the heart has to work harder. This causes blood pressure to become unbalanced. Staying up late at night, irregular eating, junk food habit and physical inactivity together spoil the lifestyle. Even after eating home cooked food, if the daily routine is wrong, then it can be difficult to control BP.

Health Tips: Do you always eat pickles with your meals? Find out if this habit is beneficial or harmful.

If you too can't eat without pickles, this article is useful. Here, we'll tell you whether this habit is beneficial or harmful. An Indian meal is incomplete without pickles. Many people enjoy pickles with dal-rice, paratha, or roti. But the question is whether this habit is beneficial or harmful to our health. Experts say that consuming pickles in moderation can be beneficial, but excessive consumption can increase blood pressure, acidity, and stomach problems. In this article, we'll explain in detail when eating pickles with meals is beneficial and when it's harmful. Benefits of Eating Pickles: 1. Antioxidant and Antibacterial Properties: Spices used in pickles, such as turmeric, fenugreek, mustard, and red chili, contain natural antioxidants. These help reduce free radicals in the body and strengthen the immune system. Some spices also have the ability to fight bacteria and harmful microorganisms, maintaining a healthy digestive system. Aiding Digestion - Fermented pickles, such as lemon pickle or green chili pickle, provide probiotics. Probiotics increase good bacteria in the gut, improving digestion. Consuming them can also provide relief from problems like constipation and gas. Nutrients - Eating homemade pickles in moderation provides the benefits of vitamins, minerals, and essential spices. For example, lemon pickle is a good source of vitamin C, while turmeric and fenugreek provide several micronutrients. Disadvantages of Consuming Pickles - 1. Effect on Blood Pressure - Pickles are high in salt. Consuming too much salt increases water retention, which can increase blood pressure. This can put pressure on the heart and kidneys.

Disadvantages of Processed Pickles - Commercially available packaged pickles contain added preservatives, colors, and flavors. These can be harmful for the stomach and can also affect the liver and kidneys in the long run. Acidity, gas and weight gain - Eating too much pickle can increase the problem of acidity, burning sensation or gas in the stomach. Excess of oil and spices increases calories, which can lead to weight gain. So should one eat pickle or not? The habit of eating pickle can be beneficial for health in balanced quantities. Spices and fermentation provide nutrition to the body and help in digestion. But excessive consumption can cause problems like blood pressure, acidity, gas and weight gain. Therefore, it is most important to pay attention to quantity and quality.

Disha Patani appeared with Akshay in the remake of "Ooncha Lamba..."; users also said, "We miss you, Katrina."

A new song from Akshay Kumar's upcoming film, "Welcome to the Jungle," has been released. The song features Khiladi Kumar and Disha Patani dancing together. Akshay Kumar and Disha Patani will be seen together in the upcoming film "Welcome to the Jungle." On Monday, the makers released the new song, "Ooncha Lamba Kad Forever," from the film. This song is a remake of Akshay's 2007 film "Welcome," which featured Akshay and Katrina. The song concludes with Akshay remembering Katrina. While Akshay recreates his old style, Disha Patani, dancing with him, looks incredibly hot. At the end of the song, Akshay remembers Katrina and says, "We miss you, Katrina." Many users have also trolled the song, expressing the same sentiment. While some have liked the song, others have liked it. There are many who called it a waste of the original song. Choreographed by Adil Sheikh - While Anand Raj Anand composed this original song, Vikram has recreated it. In this, Rubai has also sung along with the original voice of Anand Raj. The choreographed video of the song has been released on this by Adil Sheikh. The film will be 'Welcome to the day - Talking about the film Disha, Sunil Jungle', apart from Akshay and Arshad Warsi, Shetty, Jacqueline Fernandez, Paresh Rawal, Raveena Tandon and Rajpal Yadav, some 30 main actors will be seen working together. The film will be released in theatres on June 26. It has been directed by Ahmed Khan.

Did Dua Lipa marry Callum Turner? Photos are going viral; learn the whole story

Reports are circulating that pop star Dua Lipa and actor Callum Turner have married. Photos of their wedding are circulating on social media. However, the actors have not yet commented on their wedding. Let's find out what the whole story is. Reports are circulating about the marriage of global pop star Dua Lipa and actor Callum Turner. According to media reports, the two have officially tied the knot. They married in a private ceremony at London's Old Marylebone Town Hall, attended by friends and family. When they left the venue, they were showered with pieces of colored paper. The actors have not commented on the wedding. Page Six reported on the marriage of Dua Lipa and Callum Turner. The two actors have not yet commented on their wedding. Photos of the two actors are going viral on social media. It has not yet been confirmed whether these photos are AI-generated or real. The actors' relationship first made headlines in January 2024. At the time, Page Six revealed that Lipa and Turner were dating. They were seen dancing together at the after-party for the premiere of Turner's film "Masters of Air." At the time, a source described the couple as being infatuated with each other. In June 2025, Lipa confirmed her engagement. The singer also spoke fondly about her engagement ring. Did Lipa celebrate her bachelorette party? Earlier this month, Lipa posted a post that seemed to be celebrating her bachelorette party. Lipa shared a series of photos on Instagram. The photos showed a suitcase filled with white clothes specially kept for her close friend and the bride. There are also reports that the couple is planning to celebrate their second wedding at a villa in Palermo, Italy.

Ali Fazal seen solving a murder case. Will Sonali Bendre make a grand comeback? Trailer of web series 'Raakh' released

The web series 'Raakh' will depict the story of crime entering metropolitan cities in the 1970s. The makers have released the trailer for this new series starring actress Sonali Bendre and actor Ali Fazal. See what's special about the trailer. The trailer for the web series 'Raakh' has been released. Starring actress Sonali Bendre, this crime-based web series depicts the criminal mentality of two young men and the struggles of a family and police officer to eradicate it. The series is set in the 1970s. Two children leave home to go somewhere but never arrive. Their mother, Mona Arora, played by actress Sonali Bendre, is desperately trying to find her children. Meanwhile, there's police officer Jai Prakash, played by Ali Fazal. According to the trailer, murder cases are occurring one after another in the city, and the police are working day and night to solve them. Star Cast of the Web Series "Raakh" - The story shown in the trailer of "Raakh" appears to be set in the seventies. It also matches the Geeta and Sanjay Chopra kidnapping case that occurred in Delhi in 1978. Sonali Bendre, Ali Fazal, and Aamir Bashir play the lead roles in the series. Akash Makhija, Ramandeep Yadav, Divya Sharma, Vivaan Sharma, Anshul Chauhan, Rakesh Bedi, and Dibyendu Bhattacharya will also be seen in important roles. When will it release? - This web series is directed by Prosit Roy, who previously directed the series "Paatal Lok." The story is written by Anusha Nandkumar and Sandeep Saketh. This crime investigation series will be released on the OTT platform Amazon Prime on June 12th.